পাঠ 18
पाठ 18

মেলা		मेला	
মাক	:তুলতুল, মুনমুন, তহঁতক অথনিৰে পৰা খাবলৈ মাতি আছোঁ। অহা নাম্প কিয়?	माँ	: तुलतुल, मुनमुन खाने के लिए तुम्हें कब से बुला रही हूँ। आए नहीं।
তুলতুল	: গৈছোঁ, ৰবা।	तुलतुल	: आ रहे हैं।
মাক	:বেগেতে আহ। ককাৰকো আহিবলৈ ক।	माँ	: जल्दी आओ। दादाजीको भी आने के लिए कह दो।
মুনমুন	:ককাম্প তেওঁৰ কাৰণে জলপান দিবলৈ মানা কৰিছে। ময়ো জলপান অলপহে খাম।	मुनमुन	: दादा ने जलपान के लिए मना किया है। मैं भी जलपान थोड़ा ही लूँगी।
মাক	:কিয়? কৰবাত কিবা খালি নেকি তহঁতে?	माँ	: क्यों? कहीं कुछ खा लिया है क्या तुम लोगोंने?
তুলতুল	: আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ গৈছিলোঁ। আমি জোনবিল মেলা পালোঁগৈ।	तुलतुल	: हम दादाजीके साथ घूमने गए थे। हम जोनबिल मेले में पहुँच गए।
মুনমুন	:মেলাত ককাম্প আমাক ভেলপুৰী আৰু ৰসগোল্লা খুৱালে। আমিও ককাক আম্পচক্রিম খুৱালোঁ।	मुनमुन	: मेले में दादाजीने हमें भेल-पुरी और रसगुल्ला खिलाया। हमने भी दादाजी को आइसक्रीम खिलाई।
মাক	:মেলাত ৰেষ্টুৰেন্টো আছে নেকি?	माँ	: मेले में रेस्टोरेंट भी है क्या?

তুলতুল : আছে আকৌ। তাত যে আৰু কিমান খেল ধেমালি দেখুৱাম্পছে। এঠাম্পত এজনে বান্দৰ নচুৱাম্পছিল। অন্য এজনে এঠাম্পত যাদু দেখুৱাম্পছিল। তাত জায়েণ্ট হুম্পলৰ কাষত বেছি ভীৰ আছিল, সেম্পটো কোনোবাম্প এম্প অলপতে মোম্বাম্পৰ পৰা অনাম্পছে।

মাক :কথা পিছতো চোবাব পাৰিবি। এতিয়া খোৱা মেজলৈ আহ। নহলে খোৱা বস্তু ঠাণ্ডা হব।

মুনমুন :জানা মা, মেলাত বহুত দোকান পোহাৰ দিছে। পাকঘৰৰ লাগতিয়াল সকলো বস্তু পোৱা যায়। কুলা চালনি, বেলনা -- নোপোৱা বস্তু একো নাম্প।

মাক :মেলাত সোমাবলৈ কি লাগে নেকি?

তুলতুল : গ্রন্থ মেলাতহে লাগে। বাকী ঠাম্পত নালাগে। অবশ্যে চার্কাচ, যাদু আদিৰ বাবে বেলেগে কি লব লাগে। আগতে কি বিজয়া

तुलतुलः हाँ है। वहाँ कई तरह के खेलकूद हो रहे थे। एक जगह बंदर को नचवाया जा रहा था। एक जगह मैजिक (जादू) का खेल दिखाया जा रहा था। वहाँ जायेंट व्हील देखनेवालों की भीड़ थी जिसे अभी अभी बोम्बे से मँगवाया गया है।

माँ : बातें बाद में होती रहेंगी। अब जल्दी से खाने की मेज पर आओ। खाना ठंडा हो जाएगा।

मुनमुन : जानती हो माँ। मेलेमें बहुत दुकानें हैं। रसोई घर के लिए जरूरी सभी चीज़ें वहाँ मिलती हैं। सूप, छलनी, बेलन वगैरह -- वहाँ ऐसी कोई चीज़ नहीं है जो न मिलती हो।

माँ : मेले में प्रवेश करने के लिए टिकट भी लगता है क्या?

तुलतुलःटिकट पुस्तक मेले में ही लगता है। बाकी जगह ज़रूरत नहीं है। सर्कस, जादू आदि के लिए भी टिकट चाहिए। पहले टिकट विजया स्टुडिओ में ही बिकता था।

आजकल, टिकट काउन्टर मेले में ही है। तुम भी जाओगी क्या माँ?

ষ্টুডিঅ'ত বিক্রি কৰিছিল। আজি কালি কাউণ্টাৰতহে কি বেচা হয়। তুমিও যাবা নেকি মা?

মাক :চাওঁচোন, খুৰীয়েৰাক কাম্পলৈ আহিবলৈ কৈছোঁ। দুয়ো একেলগে যাম বুলি ভাবিছোঁ।

তুলতুল : মা, দেওবাৰে যোৱাটো ঠিক নহব। সেম্পদিনা বৰ ভীৰ হব। সেম্পদিনা চিটি বাছত উঠাটোও বৰ টান।

মাক :চাওঁচোন, কি কৰিব পাৰোঁ। তোক লুচি লাগিব নেকি? মুনমুনক ভাজি দিম?

মুনমুন :তোমাৰ কাৰণে দেখোন একোৱেম্প নেথাকিব। আমাকহে হেঁচি হেঁচি খুওৱা। নিজৰ বাবে দেখোন একেবাৰেম্প নাৰাখা।

মাক :মোৰ কাৰণে হব দে। লুচি আছে নহয়।

माँ : देखती हूँ। चाची को कल आनेके लिए कहा है। दोनों ने एक साथ जाना तय किया है।

तुलतुल:माँ रविवार को जाना ठीक नहीं होगा। उस दिन बहुत भीड़ होती है। उस दिन सिटि बस में चढ़ना भी मुश्किल होगा।

माँ : देखूँ, क्या कर सकती हूँ। तुम्हें पूरी चाहिए क्या? मुनमुन, तुम्हें सब्जी दूँ क्या?

मुनमुन: तुम्हारे लिए तो कुछ भी नहीं बचेगा। हमें ही ठूँस-ठूँस कर खिलाती हो। अपने लिए कुछ भी नहीं रखती हो।

माँ : मेरे लिए चल जाएगा, पूरी है न?

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
অথনিৰে পৰা	इतनी देर से
বেগেতে	जल्दी ही

ককাৰক	(तुम्हारा) दादाजी को
আহিবলৈ	आने के लिए
ক	बुलाओ
দিবলৈ	देने के लिए
বাৰণ	मना करना
ফুৰিবলৈ	घूमने के लिए, टहलने
মেলা	मेला
লুচি	पूरी/पूड़ी
ৰসগোল্লা	रसगुल्ला
ধেমালি	खेलकूद
বান্দৰ	बंदर
নচুৱাম্পছিল	नचवाया था
সন্ধিয়া	शाम, संध्या
লগে লগে	साथ-साथ
যাদু	जादू
দেখুৱাম্পছে	दिखवाया है
জায়েণ্ট হুম্পল	जायेंट व्हील
চোৱাবি	बातें करना
মেজ	मेज़
ঠাণ্ডা	ठंडा
লাগতিয়াল	ज़रूरत की चीज़ें
কুলা	सूप
	छलनी
	बेलन

চালনি	न मिलनेवाली चीज़
বেলনা	प्रवेश करने के लिए
নোপোৱা বস্তু	टिकट
সোমাবলৈ	पुस्तक मेला
কি	अलग से
গ্রন্থমেলা	बिक्री होती है
বেলেগে	जाना
বেচা হয়	भीड़
যোৱাটো	उठना
ভীৰ	सब्जी
উঠাটোও	ठूँस ठूँस कर
ভাজি	
ঠেলি ঠেলি	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) আমি ৰসগোল্লা খুৱালোঁ।

→ আমি ৰসগোল্লা খুৱাম্পছিলোঁ।

1. এজনে বান্দৰ নচুৱালে।
2. এজনে যাদু দেখুৱালে।

3. ৰমেশে জায়ে্ট হুস্পল উলিয়ালে।

4. তেওঁলোকে এখন আলোচনী উলিয়ালে।

5. তেওঁ আমাক জলপান খুৱালে।

(খ) তেওঁ ৰসগোল্লা খালে।

→ মস্প তেওঁক ৰসগোল্লা খুৱালোঁ।

1. বান্দৰটো নাচিছিল।
2. এখন আলোচনী ওলাম্পছিল।
3. লৰাটোৱে বিজ্ঞান পঢ়িলে।
4. ছোৱালীজনীয়ে পুৰী দেখিছে।
5. ককাদেউতাম্প আম্পচ্‌ক্ৰিম খালে।

(গ) তাত সকলো বস্তু পাওঁ।

→ তাত সকলো বস্তু পোৱা যায়।

1. মেলাত কুলা চালনি আদি পাওঁ।
2. ৰ্কি বিজয়া ষ্টুডিঅ'ত পায়।
3. তালৈ তিৰোতাকো যাবলৈ দিয়ে।
4. স্পয়াৰ পৰা উমানন্দ ভালকৈ দেখোঁ।
5. অসমীয়া কিতাপ ক'ত পাম?

II. **उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :

আমি মেলালৈ যাম। তাত চাৰ্কাচ চাম।

→ আমি চাৰ্কাচ চাবলৈ মেলালৈ যাম।

1. আমি নগৰলৈ যাম। তাত কিতাপ কিনিম।
2. ককা মেলালৈ গ'ল। তাত ভেলপুৰী খালে।
3. মুনমুনে লুচি খায়। সি লুচি ভাল পায়।
4. তম্প মেলালৈ আহিবি। বান্দৰ নাচ চাবি।
5. তুমি মেলালৈ আহিবা। লাগতিয়াল বস্তুবোৰ কিনিবা।

III. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. মা, তুমি _____ যোৱাটো ঠিক নহব। (দেওবাৰ)
2. সন্ধিয়া চিঁ বাছত _____ বৰ'ান। (উঠা)
3. ৰাজু, _____ লুচি লাগিব নে? (তম্প)
4. মম্প _____ খুৰীয়েৰক আহিবলৈ কৈছোঁ। (অহাকালি)
5. মেলাত _____ 'কি লাগে নেকি? (সোমা)

IV. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গৈ, নহয়, ও, টো, দেখোন, চোন, বা)

1. মোৰ কাৰণে _____ নায়েম্প।
2. তোমাৰ কাৰণে লুচি আছে _____ ?
3. খুৰীৰ লগত তুমি _____ যাবা নেকি?
4. আমি বজাৰ পালোঁ _____ ।
5. মম্প দেওবাৰে ঘৰলৈ যোৱা _____ ঠিক কৰিছোঁ।
6. চাওঁ _____ , মেলালৈ যাব পাৰোঁ নেকি?

V. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. তুলতুলহঁতে কোন মেলা পালেগৈ?
2. তুলতুলহঁতক মেলাত ককায়েকে কি খুৱালে?
3. মেলাৰ জায়েণ্ট হুম্পল ক'ৰ পৰা অনাম্পছে?
4. তুলতুলহঁতৰ মাকে খুৰীয়েকক কেতিয়া আহিবলৈ কৈছে?
5. কোনদিনা বাছত বৰ ভীৰ?

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

আমি ককাৰ ফুৰিবলৈ লগত যাম

→ আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ যাম।

1. নিজে আমি কৰিব খেলধেমালি লাগে
2. আমি পৰা গ্ৰন্থমেলাৰ কিনিম কিতাপ
3. ময়ে ৰসগোল্লা ভাৰ্স্পায়ে খাম
4. চাম মেলাত আমি যাদু খেল
5. খুৱালে আমাক ককাম্প ভেলপুৰী মেলাত

पढ़िए और समझिए।

গাওঁৰ উৎসৱ

মেলা আৰু সবাহে জন জীৱনক আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে। গাওঁ অঞ্চলত ধনী-দুখীয়া, ডেকা-বুঢ়া সকলো মানুহ মেলালৈ যায়। মেলাত নানা ধৰণৰ দোকান-পোহাৰ দিয়া হয়। ঘৰৰ গৃহিনীয়ে ঘৰুৱা সামগ্ৰী, যেনে -- কুলা, পাচি, খৰাহি, মাকো, ৰাহ (ৰাঁচ), গাৰী (ঁোলোঠা) আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়। খেতিয়কে মেলাত নাঙলৰ কুৰ, মৈ, খালৈ, দা-কটাৰী, কাঁচি আদি

কিনিবলৈ সুযোগ পায়। ল'ৰা-ছোৱালীয়ে খেলিবলৈ নানা সা-সৰঞ্জাম পায়। ডেকা-গাভৰুহঁতে গধূলি ভাওনা, থিয়ৈাৰ চাবলৈ পায়। দুম্প একে তাত ভাগ লবলৈও সুবিধা পায়।

মেলাত নানা জনে নানা ধৰণে পম্পচা ঘটে। কোনোবাম্প ভালুক, বান্দৰ নচুৱায়, কোনোবাম্প বা কুস্তি দেখুৱায়। দুম্প একে নানা খোৱা বস্তু উলিয়ায়। চানাচুৰ, চানপাপৰি, বৰফ, খিলিপান অদি উলিয়ায়। দুম্প একে হাতী বা গাধও মেলালৈ আনে। ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা গাধৰ পিঠিত তোলায়।

এনেকুৱা মেলা গাৱে গাৱে বছৰি এবাৰকৈ পতা হয়। ম্পয়াৰ কাৰণে চৰকাৰী অনুদান পোৱা নাযায়। বাম্পজৰ বৰঙনিৰে এম্পবোৰ চলে। আগতে মেলাৰ লগত মাৰৈ পূজা আদি অনুষ্ঠিত কৰা হৈছিল। ঠায়ে ঠায়ে এনেধৰণৰ মেলাত পুতলা নাচো দেখুওৱা হয়। পুতলা নাচৰ পুতলা কুঁহিলা বা কাপোৰৰ পৰা তৈয়াৰ কৰা হয়। এম্প পুতলা সুতাৰে আঙুলিত বান্ধি নচুওৱা হয়। ম্প অসমৰ ঐা প্রাচীন আৰু জনপ্রিয় লোককলা।

আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ওজাপালিও উঠিছিল। তাত ছোৱালীৰ ওজাপালিও আছিল। আজিকালি পুৰুষৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি দেখা যায়। ছোৱালীৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি বৰকৈ দেখা নাযায়। ম্প প্রায় বিলুপ্তিৰ পথত। কলা-কৃষ্টিৰ লগত জড়িত সংস্থা বিলাকে এম্প লোককলাসমূহৰ সংৰক্ষণৰ বাবে উপযুক্ত পদক্ষেপ লোৱা উচিত। চৰকাৰো এম্পবোৰ সংৰক্ষণৰ প্রতি সচেষ্ট হোৱা উচিত।

নয়ে শব্দ

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
সবাহ	मांगलिक कार्य
জন-জীৱন	जन-जीवन

মুখৰ	मुखर
ডেকা	युवक
বুঢ়া	बूढ़ा
ধৰণ	तरह-तरह के
পোহাৰ	दुकान
গৃহিণী	पत्नी/घरवाली
খৰাহি	टोकरी
মাকো	ढरकी, जुलाहों का शटल
ৰাহ	करघे का कूँच या कंघा
গাৰী	करघे का बेलन
খেতিয়ক	किसान
কুৰ	हल का एक हिस्सा
মৈ	परेला
খাঁলৈ	मछली रखने की टोकरी
দা	गँडासा
কাৰী	कटार
কাঁচি	हँसिया
গধূলি	गोधुलि वेला
ভাওনা	अभिनय
ভাগ	भाग
ঘৈ	कभी कभी होता है
চানাচুৰ	दाल मोठ
	सोन पापड़ी
	बर्फ

চানপাপৰি	पान, बीड़ा
বৰফ	गधा
খিলিপান	पीठ
গাধ	चढ़ाता है
পিঠি	बुलाता है
তোলায়	अनुदान
পতা হয়	दान
অনুদান	पुतला
বৰঙনি	बोतल का डाट बनाने के सामान
পুতলা	धागा
কুঁহিলা	प्राचीन
সূতা	लोकप्रिय
প্রাচীন	लोक कला
জনপ্রিয়	विलुप्त
লোককলা	लोक-संस्कृति
বিলুপ্ত	शामिल
কলাকৃষ্টি	संस्था
জড়িত	संरक्षण
সংস্থা	उपयुक्त
সংৰক্ষণ	कदम
উপযুক্ত	सतर्क
পদক্ষেপ	

সচেষ্ট

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. জন জীৱনক কিহে আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে?
2. কোন মেলালৈ যায়?
3. মেলাত কি কি কিনিবলৈ পোৱা যায়?
4. মেলাত কিছুমানে কেনেকৈ পম্পচা ঘটে?
5. মেলাৰ বাবে চৰকাৰী মঞ্জুৰী দিয়া হয়নে?
6. পুতলা কেনেকৈ তৈয়াৰ কৰা হয়?
7. আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ছোৱালীয়ে কি পৰিবেশন কৰিছিল?

II. पाठ में आए शब्दों की सहायता से वाक्यों को पूरे कीजिए।

1. জন জীৱনক আনন্দ _____ কৰি ৰাখে।
2. ঘৰৰ গৃহিণীয়ে কুলা _____ আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়।
3. গাভৰুহঁতে _____ ভাওনা থিয়ৌৰ চায়।
4. ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা _____ পিঠিত তোলায়।
5. এম্পবোৰ ৰাম্পজৰ _____ চলে।
6. পুতলা নাচ আৰু ওজাপালিৰ দৰে লোককলাৰ সংৰক্ষণৰ বাবে _____ চেষ্টা কৰা উচিত।

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

জ্যোতিপ্রসাদৰ বিষয়ে তোমালোকে জানানে? জ্যোতিপ্রসাদ আগৰৱালা অসম তথা ভাৰতৰে এজন প্রসিদ্ধ শিল্পী আছিল। তেওঁ প্রথম অসমীয়া বোলছবি নির্মাতা আছিল। ১৯৩৬ চনত তেওঁ প্রথমখন অসমীয়া বোলছবি 'জয়মতী' নির্মাণ কৰিছিল। জ্যোতিপ্রসাদৰ সকলো গীত, কবিতা, নাটক আৰু প্রবন্ধ গৌাম্প 'জ্যোতিপ্রসাদৰ ৰচনাৱলী' প্রকাশ কৰা হৈছে। জ্যোতিপ্রসাদৰ গীতবিলাকক 'জ্যোতিসংগীত' নামৰে জনা যায়। এম্পবিলাক অসমীয়া লোকসংগীতৰ সুৰৰ আধাৰত ৰচিত। আজিকালি ৰেডিঅ' আৰু দূৰদর্শনত জ্যোতিপ্রসাদৰ নাটক, গীত আদি প্রচাৰ কৰা হয়।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

असम चाय का पर्यायवाची है। असम के एक चौथाई भाग में चाय बागान हैं। मोनाबाड़ी एशिया का सबसे बड़ा चाय बागान है। यह विश्वनाथ सारियाली क्षेत्र में स्थित है। मनिराम देवान ने असम में सबसे पहले चाय का बाग लगाया था। असम के चाय बागान हज़ारों मज़दूरों की रोजी-रोटी का साधन हैं। चाय बागानों के आसपास ही चाय के कारखाने हैं। इनमें भी सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। असम चाय विदेशों को भी भेजी जाती है। चाय के विदेशी व्यापार का एक केन्द्र गुवाहाटी में है। यहाँ चाय की नीलामी होती है। नीलामी के समय देश-विदेश के सैकड़ों व्यापारी यहाँ इकट्ठे होते हैं।

V. 'ब्रह्मपुत्र' के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. क्रियावाचक संज्ञा : असमिया में धातु के साथ '-আ' (आ) जोड़कर क्रियावाचक संज्ञा बनाई जाती है। ऐसे शब्द अन्य संज्ञा शब्दों के समान विभिन्न कारकों में रूपांतरित होते हैं। अकारांत य आकारांत धातु '-আ' (-आ) जोड़ने पर '-ও' (-ओ) कारांत हो जाते हैं। जैसे :

কৰ্	+	-আ	>	কৰা
লিখ্	+	-আ	>	লিখা
খা	+	-আ	>	খোৱা

ক + -আ > কোৱা

2. गोहालि : असम में गाय, बकरी, बैल आदि पालतू जानवरों को बांधने के लिए हर परिवार में एक अलग मकान रहता है। इसे गोहालि (গোহালি) कहते हैं। इसे गोसार के बराबर माना जा सकता है।

3. मेला : सर्दी के दिनों में (खासकर माघ से लेकर बैसाख महीने तक) अनेक अवसरों पर मेलों का आयोजन होता है। इसके द्वारा लोग आनन्द उल्लास को प्रकट करते हैं और दूसरी ओर अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदते हैं।

4. बोआ-कटा : असम की संस्कृति की यह एक विशेषता है। असम के घर-घर में हथ-करघे की व्यवस्था है। हर स्त्री कपड़ा बुनना जानती है। वह अपने परिवार के लिए आवश्यक वस्त्र खुद बुन लेती है। करघे के लिए सभी ज़रूरी सामग्री बाँस से बनाई जाती है। असमिया बिहुगीतों और वनगीतों में करघे से संबंधित अनेक छंद हैं।

5. जोनबिल मेला : असम के मोरी गाँव जिले के जागीरोद नामक स्थान पर अप्रैल माह में यह मेला लगता है। इस मेले में पहाड़ और मैदान के लोगों के बीच चीज़ों का आदान-प्रदान होता है। इसका मतलब है चीज़ों के बदले दूसरी चीज़ें प्राप्त करना।

6. ओजा पाली : यह एक गीति-नृत्य धर्मी प्रदर्शन कला है। इसमें 'ओजा' मूल कहानी को गीत के द्वारा प्रस्तुत करता है और 'पाली' जो चार - पाँच लोगों का समूह होता है -- इसे दोहराते हैं।